

पिलानी के मॉडल प्रनायंत्रा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

पिलानी, कस्बे स्थित बिरला शिशु विहार स्कूल के विद्यार्थियों ने फेफड़ों की जांच करने की मशीन का मॉडल बनाया है। विद्यार्थियों के इस प्रनायंत्रा नामक मॉडल को सीबीएसई की रीजनल साइंस प्रदर्शनी में प्रथम स्थान मिला है। मॉडल बनाने वाली टीम के शिक्षक भुवन सिन्धु ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थी ब्रिजेश वशिष्ठ एवं वृन्दा ने विभिन्न उपकरणों की सहायता से फेफड़ों की जांच करने के लिए विशेष प्रकार का मॉडल बनाया है। इस मॉडल का नाम प्रनायंत्रा दिया गया है।

मॉडल को सीबीएसई की ओर से जयपुर के आयोजित रीजनल साइंस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।



पिलानी, मॉडल को प्रथम स्थान मिलने पर विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के मॉडल को खूब सराहा गया तथा इसकी विशेषताओं के चलते मॉडल को प्रदर्शनी में प्रथम स्थान मिला। उन्होने बताया कि मॉडल का चयन सीबीएसई की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के

लिए किया गया है। प्रतियोगिता में पांच राज्यों के दो सौ स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता टीम मंगलवार को विद्यालय प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने स्कूल में सम्मान किया।

3.0 JAN 2019

6

दैनिक अंबर

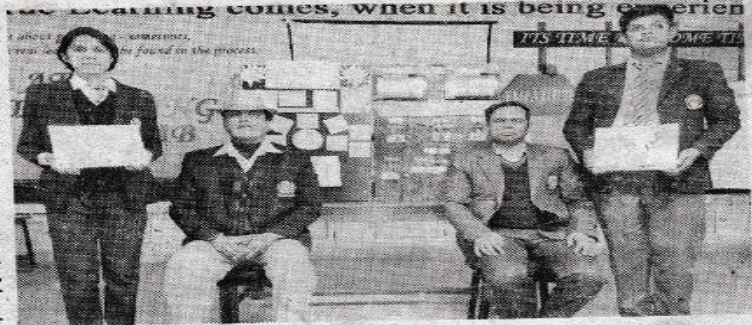
आपणी शेखावाटी

राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

दैनिक अंबर

पिलानी(केलाशपति रूथला)। बिरला शिशु विहार पिलानी ने सीबीएसई रीजनल साइंस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया जिसका आयोजन 24 और 25 जनवरी को सीबीएसई दिल्ली द्वारा ज्ञान विहार स्कूल जयपुर में हुआ। बिरला शिशु विहार विहार पिलानी के छात्र छात्राओ ने प्रनायंत्रा फेफड़ो की जांच करने की मशीन बनाई।

जिसका मुख्य उद्देश्य चिरकालिक प्रतिरोधी फुफफुसीय फेफड़े रोग की जांच करना था। बिरला शिशु विहार के बच्चों ने इस बीमारी को पता लगाने की विधि खोजी है छ जिसको राज्य स्तर पर बढ़ चढ़कर सहाराया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्रीय स्तर पर 5 राज्यों के स्कूलों ने हिस्सा लिया जिसमें करीब विभिन्न स्कूलों से



200 बच्चों ने हिस्सा लिया। जिसमें बिरला शिशु विहार पिलानी ने राष्ट्रीय स्तर पर जाने के लिए जीत हासिल की इस मॉडल को ब्रिजेश वशिष्ठ और वृन्दा ने भुवन सिन्धु के मार्गदर्शन में पूरा किया। प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने विजयेता टीम को स्कूल आगमन पर सम्मानित किया और बधाई दी। इस मौके पर सभी छात्र-छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।